

विशेषण

➤ विशेषण की परिभाषा :- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

जैसे :- नील, कमल, महामूर्ख

➤ विशेषण चार प्रकार के होते हैं :-



(1.) गुणवाचक विशेषण

परिभाषा:- जिन विशेषण शब्दों के द्वारा संज्ञा के गुण या दोष (रंग, आकार, अवस्था, स्वाद, स्पर्श, गंध, समय, स्थान, दिशा) को बोध हो वहाँ गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण :- (i) गुण/ दोष - भला, मानुष, स्वाधी लोग, अच्छे लोग, महात्मा।

(ii) रंग - कृष्ण गंध, गुलाबी मगर, नीला आकाश।

(iii) आकार - मोटा आदमी, दुर्बल स्त्री, ऊबड़-खाबड़ रास्ते, उच्चे पर्वत।

(iv) अवस्था - युवा स्त्री, वृद्ध आदमी, जर्जर मकान।

(v) स्वाद - खट्टे अंगूर, मीठा आम, चटपटी सब्जी, कड़वा करेला, खारा पानी।

(vi) स्पर्श - कठोर हाथ, कोमल हथेलिया, मुलायम गाल, खुरदरी जमीन।

(vii) गंध - खुशबूदार हवा, सुगंधित पुष्प, बदबूदार गली।

(viii) समय - नव युग, नई दुल्हन, प्राचीन इतिहास।

(ix) स्थान - बीकानेरी रसगुल्ले, कोटा साड़ी, जोधपुरी कोट, बनारसी साड़ी, सांगानेरी प्रिन्ट, जयपुरी रजाइयाँ।

(x) दिशा – पूर्वी हवा, पश्चिमी द्वार।

(2.) परिमाणवाचक विशेषण

परिभाषा :- जिन विशेषण शब्दों के द्वारा निश्चित अथवा अनिश्चित मात्रा का बोध हो उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण :- (i) पाँच लीटर दूध (ii) तोड़े से अंगूर (iii) दो बीघा जमीन
(iv) खुबसारी चीनी (v) ढेरो (ज्यादा) आम (vi) पाँच मीटर कपड़ा
(vii) तोडा सा दूध (अल्प, किंचित, जरा)

(3.) संख्यावाचक विशेषण

परिभाषा :- जिन विशेषण शब्दों के द्वारा निश्चित अथवा अनिश्चित संख्या का बोध हो उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण :- (i) पाँच लड़के (ii) दस लाख रुपये (iii) लाखों लोग
(iv) दुगुना धन (v) कुछ किताबें (vi) अरबों रुपये
(vii) पहली पुस्तक

नोट - (i) गिनी जाने वाले विशेष्य के साथ प्रयुक्त विशेषण – संख्यावाचक
आज मैंने बहुत संतरे खा लिए। (संख्या)
(ii) गिनी जानेवाली वस्तु के साथ प्रयुक्त विशेषण – परिणामवाचक
बहुत सब्जी खच गई। (परिणाम)

(4.) सार्वनामिक विशेषण (संकेतवाचक विशेषण)

परिभाषा :- वे सार्वनामिक शब्द जो विशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं वे सार्वनामिक विशेषण कहे जाते हैं।

उदाहरण :- (i) वह सुन्दर पुष्प है। (निश्चयवाचक सर्वनाम)

(ii) वह पुष्प है। (सार्वनामिक विशेषण)

(iii) जो लोग आए थे, वे कहीं गए। (जो, सार्वनामिक विशेषण)

(iv) जो वृद्ध व्यक्ति आए थे, वे कहीं गए। (संबंधवाची सर्वनाम)

(v) वह लड़की है। (सार्वनामिक विशेषण)

(vi) वह सुन्दर लड़की (गुणवाचक विशेषण) है। (सम्पूर्ण वाक्य में निश्चयवाचक सर्वनाम)

(vii) यह लड़की सुन्दर है। (सार्वनामिक विशेषण)

(viii) यह सुन्दर लड़की है। (निश्चयवाचक सर्वनाम)

➤ प्रविशेषण :- विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहते हैं।

उदाहरण - (i) लड़का बहुत होथियार है। (बहुत-प्रविशेषण)

(ii) लड़के (विशेष्य) के अतितीव्र (प्रविशेषण) बुद्धि (विशेषण) है।

➤ उद्देश्य विशेषण :- संज्ञा से पहले विशेषण का प्रयोग होती वहाँ उद्देश्य विशेषण कहा जाता है।

उदाहरण - (i) वह तीव्र बुद्धि (उद्देश्य विशेषण) लड़का है।

(ii) वह पंडित अल्प ज्ञानी (उद्देश्य विशेषण) है।

विधेय विशेषण :- संज्ञा के बाद विशेषण का प्रयोग हो तो वह विधेय विशेषण होता है।

उदाहरण - (i) लड़का बहुत होथियार (विधेय विशेषण) है।

(ii) मोहन बुद्धिमान (विधेय विशेषण) है।